बृहस्पतिवार
07 जुलाई 2022

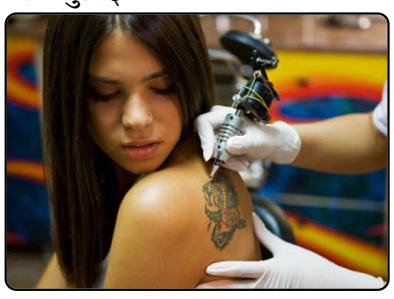

पृष्ठ 4

टैटू बनवाने के बाद भूल से भी न करें ये गलती वरना...

पृष्ठ 5

'दोस्ताना 2' में कार्तिक की जगह लेंगे अक्षय कुमार!

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 153
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
– पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राज्य सरकार अग्निपथ योजना की भर्ती प्रक्रिया में सेना को हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएगी: सीएस

हमारे संवाददाता

देहरादून । मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में आज सचिवालय में अग्निपथ योजना के तहत अगस्त एवं सितम्बर माह में राज्य में होने वाली भर्तियों के सम्बन्ध में शासन के उच्चाधिकारियों, पुलिस एवं सेना के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। मुख्य सचिव ने मेजर जनरल एन.एस. राजपुरोहित को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भर्ती प्रक्रिया में सेना को हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में होने वाली इस भर्ती प्रक्रिया में अत्यधिक भीड़भाड़ होने की सम्भावना है। राज्य के युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन द्वारा हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि मानसून सीजन के कारण भर्ती स्थलों में वाटर लॉगिंग होने की सम्भावना बनी रहेगी, इसके लिए वाटर सक्शन पंप की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए जनपदों में जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को नोडल अधिकारी तैनात किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भर्ती स्थलों में रहने-खाने, शेल्टर आदि के साथ ही बिजली, पानी, सफाई एवं टॉयलेट्स की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भर्ती स्थल में एम्बुलेंस, मेडिकल ऑफिसर आदि की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। युवाओं को भर्ती स्थलों तक आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए परिवहन विभाग द्वारा बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव द्वारा खाने पीने की उचित कीमतों को सुनिश्चित किए जाने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कहा कि अत्यधिक भीड़-भाड़ होने के कारण ऐसे स्थलों में महिला स्वयं सहायता समूहों की मदद भी ली जा सकती है। मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया में भर्ती एजेन्टों के नाम पर होने वाली ठगी और लेनदेन जैसी घटनाओं को रोकने हेतु पुलिस महानिदेशक को स्पेशल कैम्पेन चलाए जाने एवं विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने भर्ती स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार कैमरों एवं सिविल इंटेलीजेंस आदि के माध्यम से निगरानी किए जाने के निर्देश दिए।

जोनल रिक्रूटिंग ऑफिसर मेजर जनरल एन.एस. राजपुरोहित ने बताया कि उत्तराखण्ड में अगस्त एवं सितम्बर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

मसूरी क्षेत्र से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी रोड पर किये गये अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आज प्रशासन व पुलिस के आलाधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अवैध अतिक्रमण, एवं खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने समस्त उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार के दिशा निर्देशन के अनुपालन में आज मसूरी क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर उप जिलाधिकारी नरेश चन्द्र दुर्गापाल के नेतृत्व में पुलिस क्षेत्राधिकारी मसूरी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों की टीम के साथ कार्यवाही की गयी और यहां सख्ती से अतिक्रमण हटाया गया है।

देश में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 19 हजार के करीब नए मामले दर्ज

नई दिल्ली । भारत में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के नए मामलों में भारी उछाल हुआ है। बीते एक दिन में १६ हजार के करीब नए मामले दर्ज होने से हालात एक बार फिर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गए है। संक्रमित मामलों में हो रही बढ़ोतरी के चलते एक्टिव केस की संख्या बढ़कर १ लाख १६ हजार का आंकड़ा पार कर गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के १८,६३० नए केस दर्ज हुए हैं। वहीं इस दौरान ३५ कोविड संक्रमित लोगों ने जान गंवा दी। इसके साथ ही १४,६५० लोग ऐसे हैं जो कोरोना संक्रमण को मात देकर स्वास्थ्य हुए हैं।

वैश्विक महामारी कोरोना के ओमीक्रोन वैरियंट का एक सब वैरिएंट बीए. २.७५ भारत सहित कई देशों में मिला है। ये जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेडरोस अदनहोम गेब्रेहेसुस ने दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि पिछले दो हफ्तों में दुनिया भर में कोविड-१६ के मामलों में ३० प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एक दूजे के हुए पंजाब के सीएम भगवंत मान और गुरप्रीत कौर, चंडीगढ़ में एक निजी समारोह में की शादी।

दून वैली मेल

संपादकीय

सड़कों की बदहाल स्थिति

आसमान से बरस रही मूसलाधार बारिश लगातार उत्तराखंड की सड़कों की स्थिति बदहाल कर रही है। भले ही किसी प्राकृतिक प्रकोप पर इंसान का कोई बस न चले लेकिन मानसून जनित तमाम समस्याओं से निपटने की जो पूर्व तैयारी की जानी चाहिए थी वह नहीं की गई। जिसके कारण आज मात्र कुछ दिनों पूर्व ही शुरू हुई बरसात के चलते उत्तराखंड की सड़कों हालात बद से बदतर हो चुके हैं। राज्य की तमाम सड़कें या तो भूस्खलन की चपेट में आ रही हैं या फिर लगातार होने वाली बरसात के कारण सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं जो इतनी खराब स्थिति में पहुंच चुके हैं कि उन पर चलना तो मौत से खेलने के बराबर है ही साथ ही इन सड़कों पर आवाजाही संभव ही नहीं है। इन दिनों राज्य की कई सड़कें मानसूनी बरसात के चलते हो रहे भू-स्खलन के कारण लगातार बंद हो रही हैं हालांकि इन्हें खोलने के प्रयास भी जारी है लेकिन इससे यातायात तो प्रभावित हो ही रहा है। जगह-जगह पुलिया और पुलों के टूट जाने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

राजधानी दून की सड़कों की बात करें तो यहां भी मानसूनी बरसात के चलते सड़कों की स्थिति बदहाल हो चुकी है जगह-जगह स्मार्ट सिटी के नाम पर किए गए आधे अधूरे कार्यों से अब जनता मानसूनी सीजन में परेशान हो रही है। बीते रोज हुई बारिश के कारण राजधानी दून की कई सड़कों पर जलभराव हो गया जिसके चलते यातायात तो प्रभावित हुआ ही साथ ही पैदल चल रहे लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह हाल तब है जब राजधानी दून में राज्य के प्रशासनिक अधिकारी खुद मौजूद रहते हैं। वही पहाड़ की सड़कों की बात करें तो यहां किया गया बेतहाशा कटान एक ऐसी समस्या बन चुका है कि पहाड़ों से पत्थरों और मलबे का गिरना आम बात है कोई सोच भी नहीं सकता है कि कब और कैसे ऊपर से कोई पत्थर आए और आपका जीवन समाप्त कर दे। इसका उदाहरण बीते रोज चमोली में सामने आया जहां एक नवनिर्वाचित प्रधान के वाहन पर अचानक एक बोल्डर गिरा और उसकी वही तत्काल मौत हो गई। जिन स्थानों पर थोड़ा बहुत मलबा आता है उसे बीआरओ की टीमें हटा देती है लेकिन हालात इतने खराब है कि एक दिन में अगर कई सड़कें बाधित होती है तो बमुश्किल कुछ ही सड़कों को खोल पाना संभव होता है हालांकि मानसूनी सीजन की अभी शुरुआत भर है लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ की यात्रा तो जान हथेली पर लेकर ही की जा रही है। सड़कों के बदहाल होने के कारण राज्य के सैकड़ों गांवों का संपर्क मुख्यालयों से नहीं हो पा रहा है। मानसूनी सीजन से पहले अगर सरकार ने इस तरफ ध्यान दिया होता तो शायद यह स्थिति पैदा ही नहीं होती।

सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ने पर पूर्व विधायक ने जताया विरोध

नगर संवाददाता

देहरादून। महंगाई की आग में पहले से जल रहे आम आदमी को अब रसोई गैस सिलेंडर की तपिश भी झेलनी पड़ेगी। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने बुधवार को रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये का इजाफा कर दिया है। इससे पूर्व मार्च में भी 50 रुपए बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

यह बात आज देहरादून राजपुर से पूर्व विधायक राजकुमार ने बढ़ती मंहगाई और सिलेंडर के दाम एक हजार पार होने पर कड़ी निन्दा जताते हुए कही। उन्होने सरकार के इस कदम को आम जनता के लिए असंवेंदशील करार दिया। पूर्व विधायक ने इस संबंध में हिमानी गैस गोदाम परिसर में विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया। बीते वर्षों में कोरोना की गंभीर मार झेल रहे आम आदमी को अब बेरोजगारी और आसमान छूती हुई महंगाई के बोझ से भी जूझना पड़ रहा है । सिलेंडर के दाम में लगातार बढ़ोतरी किए जाने से खाद्य पधार्थ के दाम भी स्वत: बढ़ चुके हैं , साथ ही अन्य वस्तुओं पर भी महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है।

इस अवसर पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद चंद शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा गैस के दाम बढ़ाया जाना निंदनीय है और इसका तत्काल प्रभाव आम जनता की जीविका पर पड़ता है।

इस दौरान पार्षद अर्जुन सोनकर, जहांगीर खान, मीना बिष्ट, निखिल कुमार, सोम वाल्मीकि, मनीष शर्मा, राजेंद्र बिष्ट, मनीष वर्मा, नीरज नेगी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला नियोजन समिति ने विभागवार योजनाओं के परिव्यय को अनुमोदित किया

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। वित्त, शहरी विकास एवं जिला प्रभारी मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला नियोजन समिति ने विभागवार योजनाओं के परिव्यय को अनुमोदित किया। लोक निर्माण विभाग का परिव्यय ५ करोड़ ५० लाख से बढ़ाकर ६ करोड़ २२ लाख किया गया। जल संस्थान ३.५० लाख से ५ करोड़ बढ़ाया गया। जबकि पेयजल निगम के परिव्यय को २ करोड़ ४२ लाख अनुमोदित किया गया।

प्राथमिक शिक्षा का ३ करोड़ ५० लाख का परिव्यय एवं माध्यमिक शिक्षा का भी इतने का ही परिव्यय अनुमोदित किया गया। राजकीय सिचाई ४ करोड़ ५० लाख व लघु सिचाई को १ करोड़ ७० लाख, पशुपालन २ करोड़ ५० लाख का परिव्यय डीपीसी ने अनुमोदित किया।

इसी तरह कृषि विभाग का १ करोड़ ४० लाख, उद्यान ३ करोड़ ६३ लाख,दुग्ध ३५ लाख,मत्स्य ५० लाख, एलोपैथिक चिकित्सा ३ करोड़ ५० लाख,खेलकूद ७० लाख,पीआरडी ८ करोड़,उरेडा ६३ लाख,सहकारिता १ करोड़ ५ लाख सहित करीब ३० विभागों का परिव्यय नियोजन सामिति ने अनुमोदित किया। वन विभाग के परिव्यय को डीपीसी ने १ करोड़ ५० लाख से और बढ़ाने का अनुमोदन किया।

शहरी विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री अग्रवाल ने कहा कि नियोजन सामिति द्वारा जिले के विकास के लिए इस वर्ष ५६ करोड़ १८ लाख का परिव्यय अनुमोदित किया है। सभी जनप्रतिनिधियों का मकसद क्षेत्र के विकास करना होता है जो जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकास के कार्य कराने की जनप्रतिनिधियों की ज्यादा जिम्मेदारी होती है इसलिए सबका विश्वास,धैर्य और विकास की भावना से कार्य करें।बैठक से पूर्व वित्त एवं जिला प्रभारी मंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान,पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल,यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल,जिलाध्यक्ष भाजपा रमेश चौहान,नगर पालिका अध्यक्ष बड़ाहाट रमेश सेमवाल,जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला, डीएफओ पुनीत तोमर, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, ब्लाक प्रमुख भटवाड़ी विनीता रावत, डुंडा शैलेन्द्र कोहली, मोरी बचन सिंह पंवार, चिन्यालीसौड़ वंदना, अर्थ एवं संख्याधिकारी चेतना अरोरा,सीएचओ डॉ रजनीश सिंह, भूमि संरक्षण एवं कृषि अधिकारी सचिन कुमार सहित नियोजन समिति के पदाधिकारी हाकम सिंह,प्रदीप भट्ट,चंदन सिंह पंवार, सहित अन्य नियोजन सामिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला योजना की बैठक के बाद लोक निर्माण के निरीक्षण भवन में प्रभारी मंत्री ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर गंगोत्री तीर्थ के लिए रवाना हो गए।

नाबालिग के लापता होने पर पडोसी पर केस दर्ज

देहरादून (सं)। नाबालिग के घर से लापता होने पर परिवार वालों ने पडोसी युवक के खिलाफ बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमननगर चोर खाला निवासी व्यक्ति ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री उम्र 16 वर्ष कल सुबह साढे नौ बजे से घर से बिना बताये कही चली गई है। उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कोई पता नही लग रहा है। उसको शक है कि नाबालिग पुत्री को कोई अनिल नाम का लडकाबहला-फुसला कर ले गया है जो उनके पडोस में रहता है।

अहा यदिन्द्र सुदिना व्युच्छान्दधो यत्केतुमुपमं समत्सु।
न्यग्निः सीददसुरो न होता हुवानो अत्र सुभगाय देवान।।

(ऋग्वेद ७-३०-१)

वह शासक सदैव सफल होता है जो अपनी सेना और प्रशासन में बुद्धिमान मनुष्यों को रखता है और उनका सत्कार करता है। ये लोग शत्रुओं को उखाड़ फेंकने का सामर्थ्य रखते हैं। ज्ञान मनुष्यों को तेजस्वी और सामर्थ्यवान बनाता है।

That ruler is always successful who keeps intelligent men in his army and administration, and gives them honour. These people have the ability to overthrow the enemies. Knowledge makes humans brilliant and capable. (Rig Veda 7-30-3)

पीने के पानी की समस्या को लेकर ग्रामिणों में रोष

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कई माह से गढ़ी कैंट स्थित कई गांव में पीने के पानी की समस्या के शीघ्र निदान की मांग को लेकर आज चांदमारी व जेन्तनवाला क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण उत्तराखंड जल संस्थान के अनुरक्षण खण्ड के अधिशासी अभियन्ता से मिलकर अपनी समस्या से उन्हें अवगत कराया।

जैनतन वाला के ग्राम प्रधान दुर्गा राई ने बताया कि गर्मी के दिनों में जहां लोगों को उचित रूप से पानी की पूर्ति होनी चाहिए वहीं घंघोड़ा स्थित जैन्तनवाला,चांदमारी गांव, पुरोहितवाला कत्रवाला आदि गांव में कई माह से पीनें का पानी न आने से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने यह भी बताया कि घंघोड़ा नई बस्तह जैन्तनवाला में उपर पाईप लाइन भारी बरसात के कारण और ज्यादा क्षितग्रस्त हो गया है जिसके कारण पानी कई माह से नही आ रहा है। चांद मारी गांव के लोगों ने बताया कि उक्त क्षेत्र में तो कई सप्ताह से पानी नही आ रहा है व उक्त क्षेत्र के लोगों अपने परिवार के लिए पानी की पूर्ति दूर दराज के क्षेत्र से पानी स्कूटर व साईकिलों आदि पर ढोहकर लाना पड़ रहा जो उनके के लिए काफी चुनौतियों से भरा हुआ है।

उन्होंने यह भी बताया कि कई बार उक्त क्षेत्र के अधिशासी अभियन्ता से मिल उनके समक्ष कई बार कई बार इस पीने के पानी की समस्या को रखा गया है पर आज तक यह समस्या का कोई उचित समाधान नही हो सका है।

इस अवसर पर प्रदीप डोभाल सोनू डोभाल किरन शिशवाल सोनू शिशवाला बसंती, सुखमाया, मीना मनीषा सुनीता प्रतिमा हेमलगा जशु गुरूंग और पंकज पुन आदि मौजूद थे।

महिला आयोग अध्यक्ष ने की ऋतु खंडूड़ी से भेंट

संवाददाता

देहरादून। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी से शिष्टाचार भेंट की। आज यहां उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से उनके यमुना कॉलोनी स्थित शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के ही बीच राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए जा रहे कदमों एवं अन्य विषयों पर विस्तार में वार्ता हुई। इस मुलाकात के दौरान महिला आयोग के अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी द्वारा सम्पन्न हुए सत्रों के दौरान सदन की कार्यवाही सुचारू एवं विधिवत रूप से संचालित किए जाने पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाए जाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर वार्ता करते हुए कुछ सुझाव भी साझा किए।

रसोई गैस की बढ़ी कीमतों का महिलाओं ने किया विरोध

नई टिहरी (आरएनएस)। एक बार फिर घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ है। पहले जहां उपभोक्ताओं को एक गैस सिलेंडर की कीमत 1०3० रुपये चुकानी पड़ती थी, वहीं बुधवार को 5० रुपये की बढ़ोत्तरी के बाद अब उपभोक्ताओं को 1०8० रुपये चुकाने होंगे। इंडियन गैस नई टिहरी के प्रबंधक मोहन खडियाल ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर के नये दाम बुधवार से लागू हो गये है। बताया गैस गोदाम में एक सिलेंडर 1०8० तथा होम डिलेवरी करने 11०3 रुपये उपभोक्ता को देने होंगे। रसोई गैस की कीमतों में हुई वृद्धि का महिलाओं ने विरोध किया है। गृहणी संतोषी चमोली ने कहा कि पिछले महिने ही रसोई गैस की कीमत में करीब 2० रुपये की बढ़ोत्तरी हुई थी। गृहणी मंजू रावत ने कहा आये दिन रसोई गैस के दामों में वृद्धि होने से उनके घर का बजट बिगड़ रहा है, उन्होंने सरकार से बढ़े हुये दाम वापस लेने की मांग की है।

चंबा में सड़क पर आया मलबा

नई टिहरी (आरएनएस)। भारी बारिश के कारण नारदाने बन्द होने से कही सड़कों पर मलवा बहकर आ गया, तो कहीं मलबा आने से सड़के अवरुद्ध हो गई। बुधवार सुबह तड़के अचानक हुई मूसलाधार बारिश के चलते नगर पालिका क्षेत्र बुरांसबाड़ी में पुस्ता ढ़ह गया, जिससे वहां पर खड़ी एक कार नीचे खाई की तरफगिर गयी। वहीं नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग के नारदानो के बन्द होने से जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गयी। बारिश का पानी लोगों में घरो में भी जा घुसा, जिससे स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश से चंबा-नई टिहरी मोटरमार्ग पर बड़ी मात्रा में मलवा बहकर सड़क में आ गया। जबकि ज्ञानसू-सुरसिंगधार मोटरमार्ग पर चट्टान टूट कर गिरने से मार्ग 4 घण्टे बन्द रहा। बारिश रुकने के बाद लोनिवि व जिला प्रशासन की टीम ने सड़कों से मलबा हटाकर यातायात सुचारु करवाया।

श्रीकोट में पांच घंटे से ठप रही बिजली आपूर्ति

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीकोट गंगानाली में बुधवार को पांच घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रही। जिस कारण लोगों को समस्याओं से जूझना पड़ा। बिजली गुल होने से यहां मेडिकल कॉलेज व टीचिंग बेस अस्पताल में वैकल्पिक संसाधनों से काम चलाना पड़ा। बताया जा रहा है कि सुबह नौ बजे के करीब बिजली चमकने के दौरान लाइन में फॉल्ट आने से यह दिक्कत हुई। स्थानीय निवासी व पालिका सभासद विभोर बहुगुणा, नरेश नौटियाल, अरविंद रावत, दीपक रावत, योगेश आदि ने कहा कि बुधवार को सुबह के समय बिजली गुल होने से लोगों को कई तरह की दिक्कतें झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि श्रीकोट गंगानाली में मेडिकल कॉलेज व टीचिंग अस्पताल सहित अन्य कई सरकारी दफ्तरों के होने के साथ ही लोगों के बिजली पर निर्भर व्यवसाय हैं। पांच घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रहने से लोगों के काम बाधित रहे। अपराह्न ढाई बजे के करीब बिजली आपूर्ति सुचारु होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। इधर ऊर्जा निगम के एसडीओ सचिन सचदेवा ने बताया कि सुबह बारिश के दौरान बादलों की गड़गड़ाहट के साथ आसामान में तेज बिजली चमकने पर 33 लाइन में फॉल्ट आ गया। फॉल्ट ठीक करने में समय लगने के कारण बिजली आपूर्ति सुचारु करने में देरी हुई।

एफ आरआई में चल रहे धरने पर उच्च न्यायालय ने लिया संज्ञान, धरना स्थगित

संवाददाता

देहरादून। एफआरआई में निकाले गये कर्मचारियों के धरने के 16वें दिन उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए निदेशक व लेबर कमिश्नर को 21 दिन में जवाब देने के लिए कहा है। उच्च न्यायालय के संज्ञान लेने के बाद कर्मचारियों ने अपना धरना स्थगित कर दिया है।

आज यहां एफआरआई में अनिश्चितकालीन धरने के 16 वे दिन उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा निकाले गए कर्मचारियों का संज्ञान लिया गया। न्यायालय द्वारा निदेशक एफआरआई लेबर, कमिश्नर को 21 दिन के अंदर जवाब दाखिल करना है तब तक न्यायालय का सम्मान करते हुए अनिश्चितकालीन धरने को स्थगित किया जाता है। यदि न्यायालय का ऑर्डर 21 दिन के अंदर निदेशक एफआरआई ने नहीं माना फिर आज सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान को सभी आंदोलनकारियों ने कह दिया है फिर हम लोग बगैर बताए हुए दोबारा से एफ आर आई के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे। उनको न्यायालय

पर पूर्ण विश्वास है इसलिए न्यायालय का सम्मान करते हुए अनिश्चितकालीन धरने को स्थगित किया जाता है।

❑संस्थान के निदेशक व लेबर कमिश्नर को दिया 21 दिन का समय

इस अवसर पर दौलत कुवर राष्ट्रीय संयोजक भारत संवैधानिक अधिकार संरक्षण मंच ,अजय शर्मा, आकाश, अमित, अनिल कुमार ,अशोक कुमार, भागवत खंडूरी, ध्रुव राज, इंद्र सिंह गुरु, मीनाक्षी ,मुकेश, नंदलाल, ओम प्रकाश कोठारी ,पवन कुमार भट्ट, प्रहलाद मेहरा, प्रियांशु मुंडेपी, राहुल ठाकुर ,राजीव ,राकेश ,रविंद्र कुमार, रेखा थापा, रिया गुरुंग ,रोहन कुमार, रोहित कुमार ,सीमा ,शेर सिंह सीना सिंह ,सोनी ,सुंदरलाल शर्मा, सुनील, सूर्य प्रकाश यादव, उपवन ,उर्मिला रानी ,वैशाली, वासुदेव ,विजय प्रकाश, विजय प्रकाश थपलियाल, नितिन सैनी ,माया देवी, सुखमाया, अमित कुमार, नेहाल, राकेश कुमार, आदि उपस्थित रहे।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेशम माजरी डोईवाला निवासी अनुज पाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

टिहरी में लोगों के लिए मुसीबत बनी भारी बारिश

नई टिहरी (आरएनएस)। बुधवार सुबह हुई भारी बारिश लोगों के लिये मुसीबत बन गई, बारिश के कारण जगह-जगह सड़कों पर मलबा आने से सड़के बाधित हो गई। और कई जगहों पर पानी भर गया। जिसके चलते लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना। बारिश के चलते स्कूली बच्चें भी स्कूल नहीं जा सके।

घनसाली क्षेत्र में मानसून सीजन की पहली बरसात से घनसाली नगर पंचायत के कई वार्डों में जल भराव के कारण बरसात का पानी और मलबा घरों और दुकानों में घुसने से लोगों में अफरा तफरी मची रही। बुधवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने सरकारी सिस्टम की पोल खोल कर रख दी। मूसलाधार बारिश से वार्ड संख्या तीन के मुख्य बाजार में पहाड़ी से पानी के साथ आया मलबा दुकानों में जा घुसा। वार्ड संख्या छह और सात सेमली में नालियों की निकासी न होने से सड़के तालाब में तब्दील हो गई, और बरसात का पानी घरों में जा घुस गया। घनसाली-मयाली यात्रा मार्ग पर बुरांस होटल के पास कुटमन पुल के ऊपर पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर आने से पुल को काफी नुकसान पहुंचा है,जिसके चलते सड़क मार्ग भी अवरुद्ध रहा। बारिश के कारण बालगंगा, भिलंगना और नैलचामी नदियों का जल स्तर बढ़ने से नदी किनारे रह रहे लोगों भी भयभीत हो गये।

अवैध कब्जों के खिलाफ उक्रांद ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। शहर में हो रहे अवैध कब्जों के खिलाफ उक्रांद महिला कार्यकारी जिलाध्यक्ष ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

आज यहां उत्तराखण्ड क्रांति दल की महिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रमिला रावत के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ता सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड बनने के पश्चात प्रदेश मैदानी भागों पर अधिकतर बाहरी प्रदेश के लोगों ने कब्जा कर लिया है या निरंतर ऐसे कब्जे जारी हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण विषय है जहां एक और राज्य सरकार को यहां के निवासियों के मूल अधिकारों के लिए वृद्ध योजनाओं हेतु भूमि का अभाव है वहीं बाहरी प्रदेश से आकर लोग

सरकारी भूमि की खरीद-फरोख्त में सम्मिलित है। ऐसा ही मामला वर्तमान में सहस्त्रधारा रोड में देखने को मिला है जहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना के भवन निर्माण किए जा रहे हैं जो आमवाला में पड़ता है वहां पर बाहरी लोगों ने आकर सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा जमाना शुरू कर दिया है। इसको तत्काल नहीं रोका गया तो यह लोग उत्तराखंड पर नासूर बन जाएंगे और इन लोगों के यहां रहने से उत्तराखंड में अपराध का निरंतर इजाफा होगा।

उन्होंने मांग की है कि तत्काल जिला अधिकारी और नगर निगम देहरादून को निर्देशित करें अगर इन कब्जों के पीछे किसी सरकारी अधिकारियों की भी संलिप्तता पायी जाती है तो उनके खिलाफ भी कठोर कार्यवाही की जाये। ज्ञापन देने वालों में सत्या डोगरा,ईशा शर्मा सशि कांत एनके गुसाईं,सुमित डंगवाल, निशा सिंह आदि शामिल थे।

प्रतीक और प्रतिनिधित्व

किसी समुदाय के विशेष के व्यक्ति को ऊंचे पद पर बैठा देने का यह कतई मतलब नहीं होता है कि उस समुदाय का सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण भी हो रहा हो। अब तक के अनुभव के आधार पर यह बेहिचक कही जा सकती है।

भारत में प्रतीक और प्रतिनिधित्व की सियासत तो आजादी के ठीक बाद से ही शुरू हो गई थी, लेकिन 199० के दशक में आकर यही मुख्यधारा बन गई। नतीजा हुआ कि गरीब-अमीर के अर्थ में मुद्दों को देखने का चलन बेहद कमजोर हो गया। तब दलित-पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यक समुदायों को भी प्रतीकात्मक रूप से प्रतिनिधित्व देने की मांग जोर-शोर से उठने लगी और धीरे-धीरे वामपंथी दलों समेत सभी पार्टियों ने इसी व्याकरण को वास्तविक राजनीति समझ लिया। अब यह कहा जा सकता है कि इस नई बनी या बनाई गई परिस्थिति को समझने और उसे अपने अनुकूल ढालने में भारतीय जनता पार्टी/ आरएसएस सबसे कुशल साबित हुए। उन्होंने इसे सोशल इंजीनियरिंग कहा। ये परिघटना इस तरह आगे बढ़ी कि आरएसएस ने व्यापक हिंदुत्व अस्मिता को इस तरह ढाला जिसमें हिंदू समुदाय के अंदर आने वाली तमाम जातियों और जन जातियां समाहित होती चली गईं। अल्पसंख्यक अस्मिताओं को ढालने की उसे जरूरत नहीं थी, क्योंकि उन अस्मिताओं को 'शत्रु' के रूप में पेश कर ही उसने बाकी व्यापक हिंदू पहचान को आगे बढ़ाया था।

तो आज भाजपा यह दावा करने की स्थिति में है, उसने दलित-आदिवासी-ओबीसी को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व दिया है। एक आदिवासी महिला- द्रौपदी मूर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बना कर उसने अपने इस दावे को और पुष्ट किया है। इसके पहले वह दलित पहचान के आधार पर देश में राष्ट्रपति बना ही चुकी है। अब ये आलोचना दीगर है कि ये प्रतिनिधित्व महज प्रतीकात्मक हैं। किसी समुदाय के विशेष के व्यक्ति को ऊंचे पद पर बैठा देने का यह कतई मतलब नहीं होता है कि उस समुदाय का सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण भी हो रहा हो। अब तक के अनुभव के आधार पर यह बेहिचक कही जा सकती है। वैसे कहा यह भी जा सकता है कि प्रतीक और जातीय/ सामुदायिक प्रतिनिधित्व की राजनीति का असल मकसद भी यही होता है। ये सियासत विकास और वर्गीय समानता के प्रश्न को हाशिये पर धकेल देती है। यही भारत में भी हुआ है। दलों के शक्ति-संतुलन को देखते हुए द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना लगभग तय ही है। जाहिर है, प्रतीकात्मक प्रतिनधित्व की समर्थक शक्तियों के लिए ये अच्छी खबर है।(आरएनएस)

दुनिया की नई धुरी

व्लादीमीर पुतिन ने अब दो टूक एलान किया है कि 'एक ध्रुवीय विश्व' का अंत हो चुका है। चीन के बयानों से साफ है कि वह इस आकलन में रूस के साथ है। अब यह कोई छिपी बात नहीं है कि चीन और रूस दुनिया में एक ऐसी धुरी बनाना चाहते हैं, जो अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने अपनी ये मंशा इस साल फरवरी के पहले हफ्ते में ही जाहिर कर दी थी कि जब विंटर ओलिंपिक के उद्घाटन के मौके पर रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन बीजिंग गए थे। उस मौके पर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दो संयुक्त विज्ञप्ति जारी की थी, उसमें एक नई विश्व व्यवस्था बनाने का इरादा जताया गया था। उसके तीन हफ्तों के बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला किया। अब युद्ध शुरू होने लगभग साढ़े तीन महीनों के बाद रूस और चीन ने फिर संकेत दिया है कि वे दुनिया में एक अलग धुरी बनाने के अपने इरादे पर कायम हैं। बल्कि इस इरादे को साकार करने के लिए वे मिल कर काम कर रहे हैं। इस बार मौका सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकॉमिक फोरम बना। बीते हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस फोरम को संबोधित किया। वहां पुतिन ने दो टूक एलान किया कि 'एक ध्रुवीय विश्व' का अंत हो चुका है।

पुतिन ने अमेरिका पर तीखे हमले बोले। अपने भाषण में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को निशाना बनाया। उनकी इन बातों पर गौर करें- 'जब शीत युद्ध में जीत हुई, तो अमेरिका ने खुद को धरती पर ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर दिया। उसने खुद को ऐसे देश के रूप में पेश किया, जिसकी कोई जिम्मेदारी नहीं, सिर्फ जिसके स्वार्थ हैँ। उसने अपने स्वार्थ को पवित्र घोषित कर दिया। यह वन-वे ट्रैफिक था, जिससे दुनिया अस्थिर हो गई।' उधर जिनपिंग ने कहा कि अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंध विच्छेद, सप्लाई रुकावट ,और एकतरफा प्रतिबंध लगाने के चलन को सिरे से अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। चीन ने कहा है कि पश्चिमी देशों ने कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैँ। इन एकतरफा प्रतिबंधों से दुनिया को शीत युद्ध की तरफ धकेला गया है। साथ ही विश्व अर्थव्यवस्था में विभाजन हुआ है। संदेश साफ है। रूस और चीन अपनी धुरी बना रहे हैं, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार वे पश्चिम को ठहरा रहे हैँ।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टैटू बनवाने के बाद भूल से भी न करें ये गलती वरना...

दुनियाभर में कई लोग टैटू बनवाते हैं। हालाँकि टैटू बनवाते समय आपको थोड़ा सहना पड़ता है, लेकिन आपका काम यहीं खत्म नहीं होता है। दरअसल टैटू बनवाने के बाद भी उसकी अच्छी देखभाल करना जरूरी है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि लोग टैटू बनवा लेते हैं, लेकिन फिर वे इसकी परवाह नहीं करते और उसके बाद टैटू में खुजली, दर्द और सूखापन नजर आता है। हालाँकि टैटू बनवाने के बाद त्वचा को ठीक होने में लगभग एक सप्ताह का समय लगता है और अगर इस दौरान टैटू का ध्यान रखा जाए तो ड्राईनेस से लेकर खुजली जैसी समस्याओं से आसानी से बचा जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं टैटू बनाने के बाद किन बातों का ध्यान रखे।

मॉइस्चराइज जरूर करें- यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। हालाँकि टैटू बनवाने के बाद कम से कम एक हफ्ते तक उस जगह को मॉइश्चराइज रखना बहुत जरूरी है। हालाँकि टैटू क्षेत्र को बहुत अधिक या बहुत कम मॉइस्चराइज़ करने से बचें। जी दरअसल अधिक मॉइस्चराइजिंग आपकी त्वचा के छिद्रों को अवरुद्ध कर सकती है और ब्रेकआउट का कारण बन सकती है। आप टैटू वाली जगह पर वैसलीन, मॉइस्चराइजर या लोशन की एक पतली परत लगाएं।

छिलने न दें- कुछ लोग यह गलती करते हैं कि जब टैटू बनवाते हैं, तो आपकी त्वचा की ऊपरी परत पांच से सात दिनों में छिलने लगती है। जी हाँ और ज्यादातर लोग इसे खुद ही निकाल देते हैं। हालाँकि आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। जी दरअसल जब आप अपनी त्वचा को छीलते हैं (यह होममेड पील ऑफ मास्क त्वचा के लिए सबसे अच्छा है), तो यह न केवल आपके टैटू को हल्का करता है, बल्कि यह त्वचा की शुष्कता को भी बढ़ाता है। ऐसे में आपको थोड़ा धैर्य दिखाने की जरूरत है ताकि आपकी त्वचा अपने आप छिल जाए।

स्वच्छता का ध्यान रखें- टैटू बनवाने के बाद हाइजीन का भी खास ख्याल रखना जरूरी है। अगर आप स्वच्छता पर ध्यान नहीं देते हैं, तो इससे न केवल त्वचा का रूखापन बढ़ता है, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इस वजह से अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो अपने टैटू को चाटने की कोशिश न करें।

साबुन से बचें- टैटू बनवाने के बाद करीब एक हफ्ते तक त्वचा में बदलाव आता है। ऐसे में इस दौरान त्वचा रूखी हो जाती है और अगर टैटू वाली जगह पर साबुन लगाया जाए तो उसके सूखने की संभावना काफी बढ़ जाती है। तैरने को कहें ना- अगर आप टैटू क्षेत्र के आसपास शुष्क त्वचा के बारे में चिंतित हैं तो तैराकी से बचें। (आरएनएस)

सब्जी काटने के कारण फट-कट गए हैं हाथ तो काम आएगा सरसो का तेल

सब्जियों को कितना ही ध्यान से काटा जाए, हालाँकि फिर भी एक समय पर इनकी वजह से हाथों का फटना शुरू हो जाता है। कई बार हम काफी देर तक सब्जिया काटते हैं तो हाथ कट-फट जाते हैं। आप सभी ने इन समस्याओं को झेला होगा और एक बार नहीं बल्कि कई बार। हालाँकि इससे बचाव के लिए इन ट्रिक्स को आजमाएं जो हम आपको बताने जा रहे हैं।

कुछ सब्जियां जैसे कटहल की वजह से हाथों में खुजली होने लगती है। ऐसे में सब्जियों से होने वाली खुजली से बचने के लिए इन्हें काटने से पहले हाथों में सरसों का तेल लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से इसे रिमूव करें। आपको लाभ होगा।

हाथों की देखभाल में वैसलीन लगाना बहुत अच्छा माना जाता है। जी हाँ और इस तरीके को आपको रात को अपनाना है। आप रात को सोने से पहले हाथों को अच्छे से धोएं और उन्हें सूखाकर इन पर वैसलीन की मसाज करें।

सब्जियों का दाग: कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिनके दाग लगने की वजह से हाथ ड्राई होने लगते हैं। जी हाँ और इसको हटाने के लिए बार-बार साबुन की जगह एक बार धोएं और फिर हाथों पर ऑलिव ऑयल लगाएं। ऐसा करने से हाथों को सॉफ्ट और खूबसूरत बनाया जा सकता है।

लोगों में यह एक मिथ बना हुआ है कि स्क्रब करने से हाथों और ड्राई हो सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। जी दरअसल हफ्ते में एक बार दही, ओट्स और शहद से हाथों की स्क्रबिंग करें। ये तरीका उन्हें सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ खूबसूरत भी बनाएगा।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -85

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

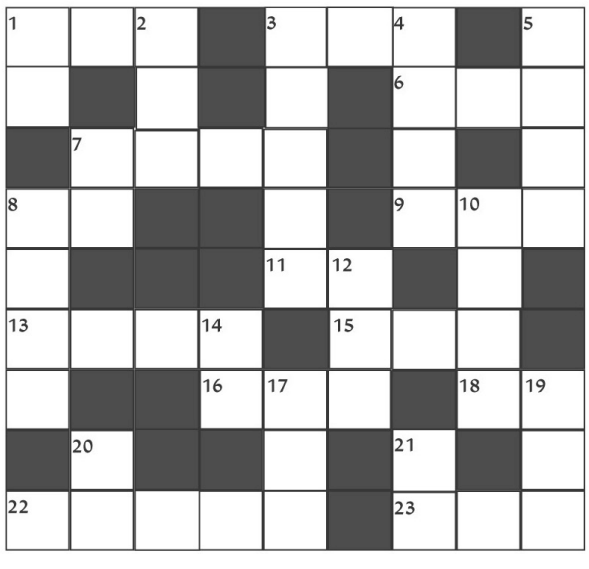

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

बॉलीवुड में एंट्री करने जा रही है मशहूर अदाकारा जेनिफर विंगेट

टेलीविज़न की मशहूर अदाकारा जेनिफर विंगेट के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। टेलीविज़न पर कभी कुमुद तो कभी माया बनकर दर्शकों के दिल में जगह बनाने वाली जेनिफर अब बॉलीवुड में एंट्री करने वाली हैं। जी हां, जेनिफर अपने बॉलीवुड डेब्यू को तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जेनिफर विंगेट जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देने वाली हैं। हालांकि ना जेनिफर ने और ना ही कार्तिक ने अभी इन खबरों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है, लेकिन खबरों की मानें तो दोनों स्टार्स को एक प्रोजेक्ट के लिए निर्माताओं की तरफ से अप्रोच किया जा चुका है। रिपोर्ट्स हैं कि दोनों सितारें इस प्रोजेक्ट के लिए हां करने वाले हैं। यदि ऐसा होता है तो कार्तिक और जेनिफर को साथ में देखना वास्तव में बहुत दिलचस्प होगा।

जेनिफर विंगेट टेलीविज़न की सबसे लोकप्रिय ही नहीं बल्कि हाईएस्ट पेड अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज, दिल मिल गए में डॉ. रिद्धिमा, सरस्वतीचंद्र में कुमुद, बेहद में माया के किरदार से दर्शकों में गहरी छाप छोड़ी है। छोटे पर्दे के अतिरिक्त वे फिल्मों में भी चाइल्ड एक्टर के रूप में काम कर चुकी हैं। इस सूची में अकेले हम अकेले तुम, राजा की आएगी बारात, राजा को रानी से प्यार हो गया, कुछ ना कहो और फिर से... सम्मिलित है।

वाणी कपूर बनीं गोल्डन गर्ल

एक्टर रणबीर कपूर स्टारर फिल्म शमशेरा से अब एक्ट्रेस वाणी कपूर का लुक सामने आया है. फिल्म में वाणी कपूर गोल्डन गर्ल का किरदार निभाने वाली हैं. फिल्म से रिलीज हुए पोस्टर में वाणी का लुक कमाल लग रहा है और सोशल मीडिया पर फैंस वाणी की तारीफ कर रहे हैं. गोल्डन गर्ल बनीं वाणी कपूर ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, वो जिद्दी है और उसके पास सोने का दिल है. वो सोना है! पोस्टर में वाणी कपूर दिलचस्प लुक में नजर आ रही हैं. वाणी के पोस्टर को देखकर फैंस काफी खुश हैं और उनके लुक को पसंद कर रहे हैं. हालांकि फिल्म के टीजर में वाणी कपूर कहीं नजर नहीं आई थीं. पीरियड ड्रामा फिल्म शमशेरा 22 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है. फिल्म का पोस्टर 24 जून को रिलीज किया गया था. यशराज फिल्म्स की शमशेरा अगले महीने तीन भाषाओं में. हिंदी, तमिल और तेलुगु में आएगी. वाणी कपूर के बारे में बात करें तो आखिरी बार वह आयुष्मान खुराना की चंडीगढ़ करे आशिकी में नजर आई थीं. आने वाले समय में वाणी कपूर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. (आरएनएस)

हंसिका मोटवानी ने पुष्पा के गाने पर अपने डांस की रील की शेयर

पुष्पा की दिसंबर 2021 में रिलीज होने के कई महीनों बाद भी यह फिल्म अपने ट्रेंडी गानों और बड़े डायलॉग्स से सुर्खियां बटोर रही है। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा के गाने पर अपने डांस की रील शेयर की है। हंसिका मोटवानी, जो एक लोकप्रिय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम करती हैं, ने अपने पहले सह-कलाकार अल्लू अर्जुन के पुष्पा कदम का प्रदर्शन करते हुए एक रील पोस्ट की। इन दोनों ने तेलुगु फिल्म देसमुदुरु में अभिनय किया था। उनके आश्चर्य और खुशी के लिए, अल्लू अर्जुन ने अपने सह-कलाकार के वीडियो को दोबारा पोस्ट किया। सुकुमार द्वारा निर्देशित अल्लू अर्जुन-स्टारर पुष्पा: द राइज ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और कई रिकॉर्ड तोड़े और यहां तक कि हिंदी बेल्ट में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी दर्ज किया, और दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिंगरटिप 2 जैसी सीरीज बनाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए : अपर्णा बालमुरली

आगामी वेब सीरीज फिंगरटिप 2 में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली का कहना है कि मनोरंजक टेक थ्रिलर जैसी श्रृंखला बनाने के लिए बहुत साहस चाहिए जो लगातार बदलते डिजिटल स्थान से प्रभावित छह व्यक्तियों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है।

अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली ने इसको लेकर कहा, जब मुझे फिंगरटिप 2 का हिस्सा बनने का अवसर मिला तो मुझे काफी सही लगा, इस तरह की सीरीज बनाने के लिए किसी को बहुत साहस और साहस की आवश्यकता होती है। यह श्रृंखला वास्तविक जीवन की घटनाओं को स्क्रीन पर देखने का प्रतिबिंब होगी।

यह कहते हुए कि यह पहली बार है कि वह एक वेब श्रृंखला का हिस्सा थी, अभिनेत्री ने कहा कि निर्देशक ने कहानी को वैसे ही प्रस्तुत किया था जैसा उन्होंने सुनाया था।

अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली ने कहा, यह श्रृंखला कुछ ऐसी होगी जिससे हर कोई निकटता से जुड़ सकता है। मैं सभी से इस श्रृंखला को देखने और इसका समर्थन करने का अनुरोध करती हूं। ये सीरीज अरुण और जॉर्ज नांबी द्वारा निर्मित श्रृंखला, शिवाकर द्वारा निर्देशित की गई है। इसमें प्रसन्ना, रेजिना कैसेंड्रा के साथ अपर्णा बालमुरली के साथ विनोथ किशन, कन्ना रवि, शरथ रवि, और कलाकारों के एक हिस्से के रूप में कई प्रमुख कलाकार हैं। (आरएनएस)

जुग जुग जियो के सेट पर कियारा से दो-तीन बार हो गई थी लड़ाई: वरुण

वरुण धवन और कियारा आडवाणी जुग जुग जियो को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म को शुरुआती तौर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। राज मेहता के निर्देशन की यह फिल्म 24 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वरुण और कियारा जमकर इस फिल्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अब एक इंटरव्यू में वरुण ने खुलासा किया है कि जुग जुग जियो के सेट पर कियारा से उनकी दो-तीन बार लड़ाई हो गई थी।

वरुण ने बताया कि जुग जुग जियो के एक फाइट सीन की शूटिंग के दौरान उनके और कियारा के बीच लड़ाई हो गई थी। उन्होंने इस वाकया को याद करते हुए कहा, एक सीन को शूट करने से पहले मेरे और कियारा के बीच दो-तीन बार लड़ाई हो चुकी थी। ऐसा इसलिए क्योंकि हम सीन पर चर्चा कर रहे थे। इसी चर्चा के दौरान दोनों की बहस काफी तेज हो गई थी।

यहां तक कि कियारा ने वरुण को अराजकतावादी शख्स कह दिया। वरुण ने आगे बताया कि मामले को बढ़ता देख निर्देशक राज बीच-बचाव के लिए आ गए। उन्होंने ही दोनों को शांत कराया। वरुण ने कहा, मुझे अपने परिवार के लिए कमाना है, क्योंकि मुझे यही सिखाया गया है। अगर मुझे लगता है कि मुझे परिवार के लिए कमाने की जरूरत है, तो मैं अराजकतावादी कैसे हूं। यही मुझे मेरे माता-पिता ने सिखाया है। जुग जुग जियो ने बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे को 9.28 करोड़ रुपये कमाए हैं। रिलीज के दूसरे दिन फिल्म ने कमाई की रफ्तार पकड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन करीब 12.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस प्रकार फिल्म ने दो दिनों में 21 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं। फैंस तो यही चाहेंगे कि फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाए। जुग जुग जियो एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन का जबरदस्त तड़का लगाया गया है। यह फिल्म कभी हंसाती है, तो कभी दर्शकों को भावुक कर देती है। फिल्म में वरुण (कुक्कू) और कियारा (नैना) की शादी टूटने की कगार पर है। उनके माता-पिता की भूमिका अनिल कपूर और नीतू कपूर ने निभाई है। इस फैमिली ड्रामा फिल्म में रिश्तों को बचाने की जद्दोजहद दिखाई गई है। रिश्ते बचेंगे या टूट जाएंगे, इसी के इर्दगिर्द यह फिल्म है। वरुण के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। उन्हें भेड़िया, बवाल और इक्कीस जैसी फिल्मों में देखा जाएगा। कियारा विक्की कौशल की मिस्टर लेले में नजर आएंगी। वह सत्यनारायण की कथा, गोविंदा नाम मेरा और आरसी 15 जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगी। (आरएनएस)

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ काम करना चाहती हैं नीतू कपूर

लंबे समय बाद फिल्म जुगजुग जीयो में अपने अभिनय के लिए सराही गई अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर का कहना है कि आलिया भट्ट और अपने बेटे बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर के साथ काम करना उनका सपना सच होने जैसा होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह रणबीर और उनकी बहू आलिया के काम की आलोचना करती हैं इस पर नीतू ने बताया, मैं रणबीर के काम को एक मां के रूप में नहीं बल्कि एक दर्शक के रूप में देखती हूं।

इसलिए हां, मैं आलोचनात्मक हूं और इसमें मेरा हिस्सा है। लेकिन यह भी सच है कि मेरा बेटा वास्तव में एक अच्छा अभिनेता है, रणबीर का अब तक शायद ही कोई बुरा प्रदर्शन रहा हो। यहां तक कि जब वह मौन में अभिनय करता है (बर्फी का जिक्र करते हुए) तो वह अद्भुत है, है ना? और यह एक मां नहीं कह रही है, बल्कि एक दर्शक कह रही है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने आलिया के बारे में वास्तव में नहीं जानती कि गंगूबाई काठियावाड़ी में उन्होंने जो कुछ दिया है, उसके बाद वह अपने प्रदर्शन का अगला मील का पत्थर क्या हासिल करेंगी। मुझे यकीन है कि वह करेगी, लेकिन मेरे लिए यह आलिया भट्ट का बेहतरीन प्रदर्शन था। इसलिए, एक दर्शक के रूप में, मैं यह जानने के लिए उत्साहित हूं कि वह एक अभिनेत्री के रूप में अपने प्रदर्शन के अपने मानदंड को कैसे तोड़ सकती हैं!

जबकि अनुभवी अभिनेत्री बुद्धिमानी से काम करना चुन रही है, उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे उनकी रुचि अच्छे निर्देशकों के साथ काम करने में अधिक है।जुगजुग जीयो की रिलीज के बाद नीतू अपनी अगली फिल्म के लिए तैयार होने से पहले एक ब्रेक लेने की योजना बना रही हैं। वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, मनीष पुएल, प्राजुक्ता कोहली अभिनीत जुगजुग जीयो सिनेमाघरों में लगी हुई है। (आरएनएस)

'दोस्ताना 2' में कार्तिक की जगह लेंगे अक्षय कुमार!

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी कुमार' अक्षय कुमार दोस्ताना 2 में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर अपनी सुपरहिट फिल्म दोस्ताना का सीक्वल दोस्ताना 2 बनाने जा रहे हैं। कार्तिक पहले दोस्ताना 2 में लीड अभिनेता के रूप में नजर आने वाले थे, लेकिन बात नहीं बन सकी। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अब अक्षय कुमार नजर आ सकते हैं। कार्तिक आर्यन को फिल्म से बाहर निकालने के बाद, मेकर्स ने अक्षय कुमार को अप्रोच किया है।

मेकर्स और अक्षय कुमार के बीच बातचीत चल रही है। यदि मेकर्स और अक्षय कुमार के बीच बातचीत बन गई तो जल्द ही फिल्म की स्क्रिप्ट में भी कुछ खास बदलाव किए जाएंगे, जिसमें अक्षय कुमार को ध्यान में रखा जाएगा। हालांकि, फिल्म की स्टार कास्ट में होने वाले बदलाव को ध्यान में रखते हुए मेकर्स ने स्क्रिप्ट पर एक बार फिर काम शुरू कर दिया है।

'दोस्ताना 2' की लीड अभिनेत्री जान्हवी कपूर हैं। यदि सबकुछ सही रहा तो अक्षय कुमार, जान्हवी कपूर के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं। गौरतलब है कि 'दोस्ताना 2' वर्ष 2008 में रिलीज फिल्म 'दोस्ताना' का सीच्ल है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभायी थी।

साल 2008 में आई फिल्म 'दोस्ताना' एक रोमांटिक कॉमेडी थी, जिसमें जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा और अभिषेक बच्चन ने मुख्य किरदार निभाए थे। फिल्म की कहानी इन फ्लैटमेट्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो प्रियंका के किरदार नेहा से प्यार करते थे और घर में साथ रहने के लिए एक गे कपल होने का नाटक करते थे। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने निर्देशित किया था। वहीं, 'दोस्ताना 2' जाह्नवी कपूर और लक्ष्य लालवानी की फिल्म है। इसमें लक्ष्य जाह्नवी के भाई का किरदार निभाएंगे और दोनों भाई बहन को एक ही लड़के से प्यार होगा।

शिवसेना के सीईओ बनकर रह गए उद्धव ठाकरे

अरुण पटेल

महाराष्ट्र में शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे से बगावत कर महा विकास आघाडी सरकार का पतन कर भाजपा के समर्थन से आखिरकार शिवसेना में ही रहे ठाकरे के बाद सबसे शक्तिशाली नेता एकनाथ शिंदे ने सरकार बना ली है। जिन परिस्थितियों में महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन हुआ है उसको देखते हुए एक बात कही जा सकती है कि क्या उद्धव ठाकरे सीईओ की भूमिका में ही रहे और वे मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उस नई भूमिका के रूप अपने को नहीं ढाल पाए। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि उन्हें छोड़कर जाने वाले लोगों का यही आरोप है कि ठाकरे हमसे मिलते नहीं थे और गठबंधन के दूसरे सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लोग ही सत्ता का फायदा उठा रहे थे। सामान्यत: जिस प्रकार की राजनीति क्षेत्रीय दलों में होती है उसमें पार्टी का अध्यक्ष एक प्रकार से सुप्रीमो की भूमिका में ही रहता है और उसी अंदाज में अपनी पार्टी पर नियंत्रण करता है। लेकिन जब मुख्यमंत्री बन जाता है तो उसकी भूमिका कुछ अलग हो जाती है लेकिन उद्धव ठाकरे शायद अंत तक सीईओ ही बने रहे और जो बदलाव मुख्यमंत्री बनने के बाद कार्यशैली में आना चाहिए उसका अभाव रहा।

इतने बड़े पैमाने पर विधायक उनका साथ छोड़ कर गए इससे पहले कभी भी किसी अन्य दल में इस प्रकार की टूट-फूट नहीं हुई। मुख्यमंत्री से उसके दल के विधायकों की अलग प्रकार की अपेक्षा होती है और उसे अपने विधायकों को संभाल कर रखने के साथ ही अन्य लोगों से भी मिलना जुलना पड़ता है। वैसे हर दल बदल करने वाले को कुछ ना कुछ आरोप-प्रत्यारोप के अलावा सैद्धांतिक आधार भी सामने रखना पड़ता है, इसीलिए एकनाथ शिंदे के साथ बगावत करने वालों का यही आरोप है कि शिवसेना बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व के बताए रास्ते से हट गई थी इसलिए हम हिंदुत्ववादी रास्ते पर चलने वाले अपने सहज स्वाभाविक साथी भाजपा के साथ जा रहे हैं।

अधिकांश क्षेत्रीय दल कहने को तो कुछ ना कुछ सिद्धांत की बात करते हैं लेकिन उनकी सारी बनावट ऐसी होती है जिसमें परिवार का वर्चस्व हमेशा बना रहे। अन्य परिवारवादी दलों के समान ही शिवसेना में भी सुप्रीमो ठाकरे परिवार का ही हो सकता था और जब परिवार की बारी आती है तो पहली प्राथमिकता पुत्र को दी जाती है। लेकिन शिवसेना का लक्ष्य हिंदुत्व और हिंदुओं की राजनीति की रही और उसमें भी उसके तेवर सबसे अलग रहते थे और शिवसैनिक अतिवादी राजनीति याने सड़कों पर निपट लेने से परहेज नहीं करते रहे हैं। उनके लिए सुप्रीमो का आदेश ही अंतिम होता है । लेकिन इस बार स्थापित सुप्रीमो के खिलाफ इतना बड़ा विद्रोह हो गया जो इससे पूर्व देखने में नहीं आया था। इसके बाद असली आत्ममंथन का दौर सभी क्षेत्रीय दलों के साथ उन दलों को भी करना चाहिए जिनके तौर तरीके इसी प्रकार के हैं। भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियों को छोड़कर अन्य दलों में जिस प्रकार से दलबदल पिछले एक दशक में देखने में मिला है उसको देखकर यह कहा जा सकता है कि इनके पास ऐसा कोई मजबूत संगठन नहीं है जो विचारधारा या लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हो । संगठन की ओर तवज्जो ना दिए जाने और उसे मजबूती देने के स्थान पर केवल चुनाव लड़ने पर ही अधिक ध्यान दिया जाता है। खासकर क्षेत्रीय पार्टियों के लिए भी महाराष्ट्र की घटना के बाद खतरे की घंटी बज गई है इसलिए उन सभी को आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है। महाराष्ट्र और उससे सटे मध्य प्रदेश दोनों ही राज्यों में दल बदल के कारण सरकारों का पतन हुआ है और भाजपा फिर से सत्ता में आ गई है। दोनों राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग- अलग रही हैं। हालांकि समानता यह है कि दोनों जगह दलबदल हुआ और अपने ही दल के लोगों ने पाला बदला लेकिन फिर भी एकनाथ शिंदे , लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के दलबदल को समान नहीं कहा जा सकता क्योंकि सिंधिया का विद्रोह सत्ता में भागीदारी के लिए था जबकि शिंदे का विद्रोह भारतीय राजनीति में चल रहे परिवारवाद के विरुद्ध था। महाराष्ट्र में बीते दस दिनों से चल रही राजनीतिक उठापटक का बहुप्रतीक्षित अंत मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के रूप में हुआ। ठाकरे पहले अपने साथियों को मनाते रहे उन्हें बातचीत का न्योता देते रहे लेकिन शिंदे गुट को बातचीत करना ही नहीं थी। वह चाहता था कि ठाकरे ही गठबंधन को छोड़कर आएं। ना तो ठाकरे ने गठबंधन छोड़ा और ना ही एकनाथ शिंदे को लौटना था और फिर 10 दिन चले इस नाटकीय घटनाक्रम का पटाक्षेप उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के साथ हुआ क्योंकि इस दलबदल की पटकथा भाजपा ने शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे गुट के साथ मिलकर रची थी। उद्धव ठाकरे शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक्शन में आए और उन्होंने कहा कि यह सरकार शिवसेना की नहीं है और इसके साथ ही उन्होंने शिंदे को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया और सुप्रीम कोर्ट में भी जा पहुंचे । 39 शिवसैनिकों की शिवसेना से बगावत के पीछे तरह-तरह की कहानियां सुनाई जा रही हैं। इनमें ईडी का दबाव, पैसे का भारी लेन-देन, शिवसेना में ही विधायक व मंत्रियों की उपेक्षा तथा इससे भी बढ़कर सत्ता के लिए पार्टी का हिंदुत्व विरोधी स्टैंड लेना शामिल है। इनमें से कुछ सचाई हो सकती हैं, क्योंकि महाराष्ट्र का यह महानाट्य दो साल पहले मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथियों की कमलनाथ सरकार से बगावत से कई गुना बड़ा और ज्यादा जटिल था। संयोग से दोनों मामलो में बगावत की बागडोर 'शिंदे' के हाथो में ही थी और ज्योतिरादित्य का असली उपनाम शिंदे ही है। निवर्तमान मुख्यमंत्री और शिवसेना के संस्थापक तथा आराध्य बाला साहब ठाकरे के राजनीतिक उत्तराधिकारी और उनके तीसरे बेटे उद्धव ठाकरे ने अपनी सरकार की विदाई से पहले फेसबुक पर दिए अंतिम भाषण में जो बात बार-बार दोहराई, वो थी कि बागी यह देखकर खुश हो रहे होंगे कि उन्होंने बाला साहब ठाकरे के उत्तराधिकारी पुत्र को गद्दी से उतार कर ही दम लिया। वो इस खुशी में मिठाइयां खा रहे होंगे। एकनाथ शिंदे अभी भी कह रहे हैं कि वह शिवसैनिक हैं और इसे साफ करने के लिए उद्धव ने कहा है कि शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार शिवसेना की नहीं है। शायद उद्धव ठाकरे चाहते थे कि शिवसेना में नेतृत्व को लेकर जारी परिवारवाद को संगठन का हर कार्यकर्ता शिरोधार्य करे याने कि यह विरासत किसी एक पीढ़ी तक सीमित न होकर सात पीढ़ियों के लिए हो। विद्रोह का चेहरा तो एकनाथ थे लेकिन सारे सूत्र भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संभाल रखे थे और शायद उन्होंने यह सोचा भी नहीं था इतना सब करने के बाद और 106 विधायक भाजपा के होने के बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद ना चाहते हुए भी हाईकमान के दबाव में स्वीकार करना होगा। यह बात अलग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा इसे फडणवीस की उदारता और बड़े दिल का परिचय देने वाला नियुक्त कर रहे हों, लेकिन देवेंद्र फडणवीस की बॉडी लैंग्वेज काफी कुछ कह जाती है।

एकनाथ शिंदे और उनके साथियों पर सबसे जोरदार शाब्दिक हमला शिवसेना प्रवक्ता और सांसद संजय राऊत ने बोला था और वह भी बागियों के निशाने पर थे तब जब सारा परिदृश्य बदल गया है तब अब संजय का क्या होगा यही एक लाख टके का सवाल है क्योंकि ईडी ने उनसे पूछताछ की है। हालांकि संजय कह रहे हैं कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है और वह डरने वाले नहीं है तथा जांच में पूरा सहयोग करेंगे। आयकर विभाग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार को भी 2004 के चुनाव के समय दिए गए शपथ पत्र को लेकर एक नोटिस दिया है। जहां तक बागी विधायकों का सवाल है उन्होंने शिवसेना में परिवारवाद को खुली चुनौती देकर नया जोखिम लिया है। जनता उनके थे साथ कितनी खड़ी होती है, इसका खुलासा आगे र उस समय ही न हो पाएगा होगा जब किसी चुनाव में शक्ति परीक्षण का मौका आएगा।

सू- दोकू क्र.85

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शिक्षा में संस्कृत अनिवार्य करें

वेद प्रताप वैदिक

गुजरात के शिक्षामंत्री से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ प्रमुख कार्यकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि वे अपने प्रदेश में संस्कृत की अनिवार्य पढ़ाई शुरु करवाएं। यह मांग सिर्फ संघ के स्वयंसेवक ही क्यों कर रहे हैं और सिर्फ गुजरात के लिए ही क्यों कर रहे हैं? भारत के हर तर्कशील नागरिक को सारे भारत के लिए यह मांग करनी चाहिए, क्योंकि दुनिया में संस्कृत जैसी वैज्ञानिक, व्याकरणसम्मत और समृद्ध भाषा कोई और नहीं है। यह दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तो है ही, शब्द भंडार इतना बड़ा है कि उसके मुकाबले दुनिया की समस्त भाषाओं का संपूर्ण शब्द-भंडार भी छोटा है।

अमेरिकी संस्था 'नासा' के एक अनुमान के अनुसार संस्कृत चाहे तो 102 अरब से भी ज्यादा शब्दों का शब्दकोश जारी कर सकती है, क्योंकि उसकी धातुओं, लकार, कृदंत और पर्यायवाची शब्दों से लाखों नए शब्दों का निर्माण हो सकता है। संस्कृत की बड़ी खूबी यह भी है कि उसकी लिपि अत्यंत वैज्ञानिक और गणित के सूत्रों की तरह है। जैसा बोलना, वैसा लिखना और जैसा लिखना, वैसा बोलना। अंग्रेजी और फ्रेंच की तरह संस्कृत हवा में लट्ठ नहीं घुमाती है।

'नासा' ने अपने वैज्ञानिक अनुसंधानों और कंप्यूटर के लिए संस्कृत को सर्वश्रेष्ठ भाषा बताया है। संस्कृत सचमुच में विश्व भाषा है। इसने दर्जनों एशियाई और यूरोपीय भाषाओं को समृद्ध किया है। संस्कृत को किसी धर्म-विशेष से जोड़ना भी गलत है। संस्कृत जब प्रचलित हुई, तब पृथ्वी पर न तो हिंदू, न ईसाई और न ही इस्लाम धर्म का उदय हुआ था। संस्कृत भाषा किसी जाति-विशेष की जागीर नहीं है। क्या उपनिषदों का गाड़ीवान रैक्व ब्राह्मण था? संस्कृत को पढ़ने का अधिकार हर मनुष्य को है।

औरंगजेब के भाई दाराशिकोह क्या हिंदू और ब्राह्मण थे? उन्होंने 50 उपनिषदों का संस्कृत से फारसी में अनुवाद 'सिर्रे अकबर' के नाम से किया था। अब्दुल रहीम खानखाना ने 'खटकौतुकम' नामक ग्रंथ संस्कृत में लिखा था। तेहरान विश्वविद्यालय में मेरे एक साथी प्रोफेसर कुरान-शरीफ का अनुवाद संस्कृत में करने लगे थे। कुछ ईसाई विद्वानों ने संस्कृत 'ख्रीस्त गीता' और 'ख्रीस्त भागवत' भी लिखी है। कुछ अंग्रेज विद्वानों ने अब से लगभग पौने 200 साल पहले बाइबिल का संस्कृत अनुवाद 'नूतनधर्म्मनियमस्य ग्रंथसंग्रह:' के नाम से प्रकाशित कर दिया था।

लगभग 40 साल पहले पाकिस्तान में मुझे एक पुणे के मुसलमान विद्वान मिले। मैं उनके घर गया। वे मुझसे लगातार संस्कृत में ही बात करते रहे। भारत में पंडित गुलाम दस्तगीर और डा. हनीफ खान जैसे संस्कृत के विद्वानों से मेरी पत्नी डॉ. वेदवती का सतत संपर्क बना रहा। अलीगढ़ मुस्लिम वि.वि. की संस्कृत पंडिता डॉ. सलमा महफूज ने ही दाराशिकोह के 'सिर्रे अकबर' का हिंदी अनुवाद किया है। अभी भी मेरे कई परिचित मुसलमान मित्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में संस्कृत के आचार्य हैं।

इसीलिए मेरा निवेदन है कि संस्कृत को किसी मजहब या जाति की बपौती न बनाएं। जरुरी यह है कि भारत के बच्चों को संस्कृत, उनकी उनकी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा हिंदी 11 वीं कक्षा तक अवश्य पढ़ाई जाए और फिर अगले तीन साल बी.ए. में उन्हें छूट हो कि वे अंग्रेजी या अन्य कोई विदेशी भाषा पढ़ें। कोई भी विदेशी भाषा सीखने के लिए तीन साल बहुत होते हैं। उसके कारण हमारे बच्चों को संस्कृत के महान वरदान से वंचित क्यों किया जाए?

विदेशी पर्यटकों को स्मैक बेचने वाला अंतर्राज्यीय गैंग का सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। मुनि की रेती क्षेत्र में विदेशियों को स्मैक बेचने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के एक शातिर सदस्य को पुलिस ने लाखों रूपये की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना मुनि की रेती पुलिस को सूचना मिली कि अंतर्राज्यीय गिरोह का एक सदस्य स्मैक लेकर ऋषिकेश मुनिकिरेती क्षेत्र में आया है जो कुछ पर्यटकों व अन्य लोगों को स्मैक बेच रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान से एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 5.30 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह स्मैक दिनेश नाम के व्यक्ति से जो कि सिकर राजस्थान में रहता है, से लेकर आया था। जिसमें से उसने काफी स्मैक पर्यटकों को बेच दी थी और कुछ आज बेचने की फिराक में था कि पुलिस ने पकड़ लिया। उसके द्वारा बताया गया कि वह यहां पर एक डेढ़ महीने पहले भी आया था और माल बेचकर चला गया था जिसमें उसे अच्छा फायदा हुआ था , क्योंकि यहां पर टूरिस्ट प्लेस है और विदेशी लोग और पर्यटक इसके अच्छे दाम दे देते है। आरोपी से बरामद स्मैक वह कहाँ से लाया है उसकी भी जांच की जा रही है। बरामद स्मैक की कीमत अंतर्रष्ट्रीय बाजार में 1 लाख 20 हजार रुपए बतायी जा रही है।

चार साल से फरार 25 हजार के ईनामी को राजस्थान से किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। डकैती के मामलों में फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी को एसटीएफ ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार हरिद्वार जनपद के कनखल व कलियर में अपने गिरोह के साथ 2018 में डकैती की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह का सरगना कुख्यात 25 हजार के ईनामी मुरादाबाद निवासी शाहरूख को एसटीएफ की टीम ने टांक राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। जिसको बी वारंट पर दून लाने की तैयारी की जा रही है।

राज्य सरकार अग्निपथ योजना की..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

माह में अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो रही है जिसके लिए ऑनलाईन पंजीकरण प्रक्रिया सेना की वेबसाईट के माध्यम से शुरू हो गयी है। गढ़वाल रीजन के सभी जनपदों के लिए भर्ती रैली 19 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक कोटद्वार में आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार कुमाऊं रीजन में अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल और उधमसिंह नगर के लिए भर्ती रैली 20 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक रानीखेत में और चम्पावत और पिथौरागढ़ जनपदों के लिए 5 सितम्बर, 2022 से 12 सितम्बर, 2022 तक पिथौरागढ़ में भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द वर्द्धन, डीजीपी अशोक कुमार, एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर वी. मुरूगेशन, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकि एवं विनोद कुमार सुमन सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों से जिलाधिकारी एवं अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालन पर वैश्विक सम्मेलन में उत्तराखंड को मिली अग्रणी भूमिका

नगर संवाददाता

देहरादून। वैश्विक निकाय ने 'पशुधन सहकारिता' पर बैठक का आयोजन कर उत्तराखंड की अनुकरणीय भूमिका की सराहना की। बैंकाक मुख्यालय एनईडीएसी ने उत्तराखंड के पशुपालन विभाग के प्रयासों की सराहना की है जिसके तहत हजारों किसानों को हिमालयी राज्य में सतत विकास और आजीविका लाने के लिए पशुधन प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीक दी जाती है।

नेटवर्क फॉर द डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव्स इन एशिया एंड द पैसिफिक (एनईडीएसी) नामक एक वैश्विक संगठन ने 'पशुधन सहकारी समितियों' पर अपनी पहली बैठक आयोजित की। बैठक ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। बैठक में बांग्लादेश, चीन, ईरान, केन्या, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड सहित आठ देशों के पशुपालन विशेषज्ञ शामिल हुए।

यह भारत के लिए गर्व की बात है कि डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आईएएस,

सचिव, पशुपालन और सहकारिता विभाग, उत्तराखंड, भारत ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें 'पशुधन' पर एनईडीएसी समिति की पहली बैठक में उद्घाटन भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। एनईडीएसी बैंकॉक के मानद निदेशक डॉ केआर सालिन ने कहा कि उत्तराखंड को यह अनूठा सम्मान पर्वतीय राज्य द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और पशुपालन में आधुनिक प्रथाओं के माध्यम से समृद्ध बनाने में किए गए अनुकरणीय कार्यों के कारण मिला है।

इस अवसर पर डॉ पुरुषोत्तम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृषि के बाद पशुधन खेती लोगों का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने पशुपालन क्षेत्र के विकास में तेजी से कदम उठाए हैं। डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि राज्य ने किसानों को संगठित बाजार पहुंच प्रदान करके उनकी मदद की है। इस क्षेत्र में उत्तराखंड की विभिन्न उपलब्धियों के बीच, उन्होंने उत्पादन क्षेत्रों से लेकर मांग केंद्रों, बाजार संबंधों और मूल्य श्रृंखला निर्माण तक पशुधन उत्पादों के प्रसंस्करण, भंडारण और संरक्षण जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। डॉ अविनाश आनंद, प्रबंध निदेशक, यूएसजीसीएफ और परियोजना निदेशक, भेड़ बकरी क्षेत्र ने 'पशुधन सहकारिता' पर बैठक के दौरान बात की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एकीकृत सहकारी विकास परियोजना (यूकेसीडीपी भेड़ बकरी क्षेत्र) राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के सहयोग से इन जानवरों के समग्र विकास में तेजी ला रही है।

एआरटीओं ने चलाया स्कूल बसों के खिलाफअभियान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। एआरटीओ द्वारा आज स्कूल बसों के खिलाफ अभियान चलाते हुए रूड़की, मंगलौर, लंढोरा, लक्सर में स्कूल बसों को रोककर उनका बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस दौरान कई स्कूल बसों में खामियां पाई गई जिसके बाद एआरटीओ ने करीब 20 से ज्यादा बसों के खिलाफ कार्रवाई की।

एआरटीओ अखिलेश चौहान ने बताया कि आरटीओ के निर्देश पर तीन दिन स्कूलों बसों के सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, आज मंगलोर, रुड़की, लंढोरा व लक्सर में स्कूल बसों की चेकिंग की गई। जिसमें 20 से ज्यादा स्कूल बसों के खिलाफ कार्रवाई की गई आज 4 स्कूल बसों को सीज करने की कार्रवाई भी की गई है, स्कूल बसों में छोटे बच्चों को ले जाया जाता है जो मामला बेहद संवेदनशील है मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्कूल बसों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है जो कल तक जारी रहेगा।

दो लैपटाप चोरी

संवाददाता

देहरादून। हास्टल के कमरे से दो लैपटाप चोरी होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केहरी गांव परिवार हॉस्टल निवासी विद्यासागर ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सुबह सात बजे वह कमरे में सो रहा था तथा दरवाजा खुला था तभी किसी ने उसके कमरे से दो लैपटाप चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कुकर्मी कल्लू की तलाश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र में 10 वर्षीय मासूम के साथ कुकर्म व मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बढेडी राजपुताना के एक ग्रामीण द्वारा थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया गया कि कल्लू पुत्र बरम कुरैशी उर्फ छोटा निवासी बढ़ेदी राजपुताना ने उनके 10 वर्षीय मासूम को सुनसान जगह पर ले जाकर कुकर्म किया गया। जिसके बाद बच्चे के साथ मारपीट भी की गई और कल्लू द्वारा बच्चे को बोला गया कि यह बात अगर किसी को बताई तो जान से मार दूंगा। तहरीर के आधार पर मामले को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस के अनुसार आरोपी कल्लू शादीशुदा है व उसकी पत्नी उससे 2 महीने से किसी विवाद के चलते अलग रह रही है जिसकी रिपोर्ट कल्लू की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई है। कल्लू मजदूरी का काम करता है। मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी कल्लू की तलाश की जा रही है।

वेबसाइड पर सामान खरीदने के नाम पर एक लाख की ठगी

संवाददाता

देहरादून। वेबसाइड पर सामान खरीदने का झांसा देकर एक लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हैदराबाद निवासी चन्द्रकांत कुमार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां भारतीय सैन्य अकादमी में कार्यरत है। 19 जून को उसकी पत्नी उर्मिला को मोबाइल से नौकरी की पेशकश के बारे में व्हाट्सएप में एक संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि एक नौकरी उपलब्ध है जिसमें उसे वेबसाइट से सामान खरीदना है और बदले में वह वापस खरीदने की वास्तविक राशि और 50 प्रतिशत कमीशन प्राप्त होगा। उसकी पत्नी ने नौकरी की पेशकश के लिए सहमति व्यक्त की और अपना विवरण साझा किया। उसको उसी दिन फोन से एक और संदेश प्राप्त हुआ उसने अपना नाम वनिता बताया। उसकी पत्नी को 40 आइटम खरीदने के लिए कहा गया था जो शुरू में कम कीमत पर था और उसने आइटम खरीदना शुरू कर दिया। किसी तरह उसने 1,00,200 रूपये की राशि के साथ साइट खरीदी लेकिन 39वां ऑर्डर खरीदने पर यह 57000 की राशि थी और उसकी पत्नी ने कार्य करने से इनकार कर दिया और पैसे की वापसी के लिए कहा। लेकिन कर्मचारी ने कहा कि सारे 40 काम पूरे करो तो वह तुम्हारे पैसे 50 प्रतिशत कमीशन के साथ वापस कर देगा। जालसाजों ने उसकी पत्नी को वेबसाइट से 1,00,200 रूपये का लेनदेन करने के लिए धोखा दिया और पैसे वापस नहीं किए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूके की मीडिया में इस बात की जानकारी दी है। वह स्कैंडल और तमाम आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनकी सरकार में मंगलवार को बाद से अब तक ५० से अधिक इस्तीफे दिए जा चुके हैं। यहां तक कि वेल्श से सेक्रेटरी सिमन हर्ट ने भी पद से इस्तीफा दे दिया है। ४८ घंटे में ही ४५ मंत्री अपना पद छोड़ चुके हैं। जिनमें वित्त मंत्री ऋषि सुनक और स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद शामिल हैं। दरअसल क्रिस पिंचर मामले

को ठीक से नहीं संभालने के चलते जॉनसन की कंजर्वेटिव पार्टी के ही अधिकतर लोग उनके खिलाफ हो गए हैं। सांसद क्रिस पिंचर को जॉनसन ने डेप्युटी व्हिप चीफ के तौर पर नियुक्त किया था। जबकि पिंचर के खिलाफ ऐसी शिकायतें थीं कि उन्होंने एक गे बार में दो लड़कों के साथ यौन शोषण किया है। खुद इस्तीफा देने के लिए सहमत होने से पहले बोरिस जॉनसन ने अपने राइट हैंड माने जाने वाले कम्युनिटी सेक्रेटरी माइकल गोव को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया था। वो गोव ही कैबिनेट के पहले ऐसे सदस्य थे, जिन्होंने जॉनसन से कहा था कि कंजर्वेटिव पार्टी और देश की भलाई के लिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

'मां काली' के विवादित पोस्टर को देखकर आगबबूला हुए रविकिशन

नई दिल्ली । डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के विवादित पोस्टर का जमकर विरोध हो रहा है। इस पोस्टर को रिलीज करने वाली फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलई की गिरफ्तारी की मांग देश भर में उठ रही है और उनके खिलाफ केस भी दर्ज हो चुका है। भोजपुरी एक्टर और भाजपा सांसद रविकिशन मां काली के विवादित पोस्टर को देखकर आगबबूला हो गए हैं उन्होंने ट्वीट कर इस पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने ट्वीट कर इसकी कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए इसे वामपंथी सोच कहा और मांग की है कि इस फिल्म और उसके पोस्टर को सदैव के लिए बैन किया जाए। रवि किशन ने लिखा ये फिल्म नहीं घिनौनापन है वामपंथी सोच से ग्रसित ये लोग कब तक हमारे देवी देवताओं को गलत रूप में दिखाएंगे ये फिल्म और इसके पोस्टर सदैव के लिए बैन किए जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा ये आवाज़ में सदन में भी उठाऊंगा।

सलमान चिश्ती को बचाने के उपाय बताने वाले डीएसपी पर गिरी गाज!

जयपुर। नूपुर शर्मा को धमकी देने वाला सलमान चिश्ती की गिरफ्तारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक पुलिस वाले को कथित तौर पर आरोपी को बचाने के लिए उसे समझाया जा रहा है। सलमान को घर से ले जाते समय का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें डीएसपी संदीप सारस्वत भी नजर आ रहे हैं। यह आरोप लगाया जा रहा है कि तब आरोपी सलमान को डीएसपी कहते हैं कि बोल देना नशे में था, ताकि बच जाए। इस वीडियो जमकर को लेकर भाजपा नेताओं ने जमकर सरकार को घेरा और आरोपियों को बचाने की बात कही। पुलिस पर सलमान को बचाने के लगे आरोपों के बाद सरकार ने एक्शन लिया है। डीएसपी संदीप सारस्वत को हटा दिया गया है। डीएसपी संदीप सारस्वत के एपीओ आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही इस मामले की गहनता से जांच के आदेश भी दिए हैं। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से आदेश जारी कर दरगाह डीएसपी संदीप सारस्वत को एपीओ कर दिया गया है। अजमेर स्थित ख्वाजा साहब की दरगाह के खादिम सलमान चिश्ती ने वीडियो बनाया था। जिसमें उसने नुपुर शर्मा की गरदन लाने वाले को अपना मकान और अन्य उपहार देने की बात कही थी। यह वीडियो सामने आने के बाद दरगाह थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया साथ ही मंगलवार देर रात सलमान चिश्ती को उसके घर से पकड़ लिया गया।

सर्विस ट्रिब्युनल ने निरस्त किया एसएसपी का आदेश

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी अधिकारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों का निर्णय करने वाले विशेष न्यायालय (ट्रिब्युनल) की नैनीताल पीठ ने एस.एस.पी. उधमसिंह नगर तथा आई. जी. कुमाऊं के पुलिस सब इंस्पैक्टर के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही में किये गये आदेशों को निरस्त कर दिया। ट्रिब्युनल के वाइस चेयरमैन (ज्यूडिशियल) राजेन्द्र सिंह की बेंच ने सब इंस्पैक्टर मुकेश मिश्रा की याचिका पर एस.एस.पी. के आदेश को द्वेषपूर्ण, तथ्यों व विधि विरूद्ध मानते हुये तथा साथ ही आई.जी. के आदेश को महान वैधानिक त्रुटि मानते हुये निरस्त किया गया है।

बता दें कि उधमसिंह नगर में तैनात पुलिस सब इंस्पैक्टर मुकेश मिश्रा की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में याचिका सन 2021 में दायर की थी। इसमें कहा गया था कि जब 2019 में वह चौकी प्रभारी बांसफोड़ान, थाना काशीपुर में तैनात थे तो तथाकथित शिकायतकर्ता रमेश रावत द्वारा दिये गये शिकायती पत्र द्वारा उनके विरूद्ध नशे एवं सट्टे कारोबारियों के साथ संबंध के झूठे व निराधार आरोप लगाते हुये प्रेषित किया गया था। उक्त शिकायत पर कार्यवाही से पूर्व उत्तराखंड शासन के शासनादेश 690 जिसमें शिकायतकर्ता की पुष्टि तथा शपथ पत्र प्राप्त करने के बाद ही कार्यवाही का प्रावधान है, का पालन किये बगैर अपर पुलिस अधीक्षक काशीपुर से प्रारंभिक जांच करायी गयी। इस जांच में अवैध रूप से निकाली गयी कॉल रिकॉर्ड के आधार पर शिकायत के आरोपों की पुष्टि न होने का निष्कर्ष देने के साथ अवैध कारोबार मे संलिप्त व्यक्तियों के साथ चौकी में उठने बैठने से पुलिस विभाग की छवि धूमिल होने का निष्कर्ष

❑शिकायतकर्ता के पते पर नहीं था उसके नाम का व्यक्ति

दे दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर ने इस प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुये सब इंस्पैक्टर को उसका 2019 का सत्यनिष्ठा प्रमाण पत्र रोकने का नोटिस दिया। नोटिस के उत्तर पर विचार किये बगैर ही अपने आदेश से वर्ष 2019 का सत्यनिष्ठा प्रमाण पत्र रोकने का दण्ड दे दिया। सब इंस्पैक्टर मुकेश मिश्रा ने जब इसकी अपील आई. जी. कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल को की गयी तो उन्होंने भी अपील पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किये बगैर ही आदेश की पुष्टि कर दी तथा अपील खारिज कर दी। इस पर सब इंस्पैक्टर मुकेश मिश्रा द्वारा अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन के माध्यम से उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में दावा याचिका दायर की गयी। याचिका में विभागीय दण्ड के आदेश व अपील आदेश को निरस्त करके, उसके आधार पर रूके सेवा लाभों को दिलाने का निवेदन किया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से नदीम उद्दीन ने विभागीय जांच, दण्ड आदेश व अपील आदेश को अवैध निराधार तथा प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन के आधार पर निरस्त होने योग्य बताया। अधिकरण के उपाध्यक्ष (न्यायिक) राजेन्द्र सिंह की पीठ ने नदीम के तर्कों से सहमत होते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर के दण्ड आदेश तथा पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं के अपील आदेश को पूर्णत: तथ्यों एवं विधि के विरूद्ध होने के कारण निरस्त कर दिया। अधिकरण ने अपने फैसले में स्पष्ट लिखा कि जब जांच अधिकारी को तथाकथित शिकायतकर्ता रमेश रावत दर्शाये गये पते पर न होना पाया गया तथा इससे पूर्व भी उक्त व्यक्ति के नाम से स्थानीय पुलिस के विरूद्ध द्वेषपूर्ण भावना से शिकायते किया जाना पाया गया था तो इस दशा में याचिकाकर्ता के विरूद्ध जांच कार्यवाही करना पूर्णत: शासनादेश का उल्लंघन था। अधिकरण ने फैसले में यह भी लिखा है कि पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं क्षेत्र, नैनीताल ने मुकेश मिश्रा की सत्यनिष्ठा के प्रमाण पत्र को रोके जाने के आदेश को पुष्ट किये जाने में महान वैधानिक त्रुटि की है।

आईटीबीपी कर्मी की बेटी ने लगायी फांसी

संवाददाता

देहरादून। आईटीबीपी में तैनात कर्मचारी की बेटी ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: थाना बसंत विहार पुलिस को 112 नम्बर से सूचना मिली कि आईटीबीपी आवासीय परिसर में एक युवती ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पुलिस ने देखा कि आईटीबीपी में सेवारत कर्मचारी के आवास पर उसकी 24 वर्षीय बेटी ने कमरे में पंखे से चुन्नी से लटकर फांसी लगा दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन हुआ ई-थाना अधिकृत

संवाददाता

देहरादून। साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन को शासन ने ई-थाना अधिकृत कर ई-एफआईआर दर्ज करने की अधिसूचना जारी हुई। आज यहां अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी ने आदेश जारी करते हुए बताया कि राष्ट्रीय ई-शासन योजना के अन्तर्गत गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित क्राईम एण्ड क्रिमिनल ट्रेक नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) योजना के अन्तर्गत साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून को ई-थाना अधिकृत करते हुए उत्तराखण्ड राज्य की अधिकारिता के अधीन समस्त जिलो में सामग्री, अभिलेखों की गुमशुदगी एवं वाहन चोरी के प्रकरणों में ई-एफआईआर दर्ज कर सकते हैं।

इस्टाग्राम पर दोस्ती कर किया ब्लैकमेल

संवाददाता

देहरादून। इस्टाग्राम पर दोस्ती करने के बाद युवती को ब्लैकमेल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्यूनी निवासी युवती ने शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह पढाई हेतु देहरादून में पिछले 2 वर्षो से मच्छी बाजार मे कमरा किराये पर ले कर निवास कर रही है। पिछले डेढ वर्ष पहले उसके इन्टाग्राम पर असली नाम राहुल शाह (इंस्टाग्राम पर आईडी राघव बिक्टा नाम से) नाम के लडके से बात प्रारम्भ हुई बात के तीन महीने के बाद राहुल शाह के दबाब में उसने अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर राहुल को शेयर करी और 4 माह बाद जब राहुल शाह पहली बार मिली तो जो इंस्टाग्राम आईडी थी वह फेक थी और वह व्यक्ति कोई और ही था और राहुल द्वारा द्वारा 4 माह के पश्चात उसको 7 माह तक पहले दी गयी अश्लील तस्वीरो के आधार पर ब्लैक मेल किया गया उसके अश्लील फोटो और वीडियो भी बनाई तथा शारीरिक शोषण एवं शारीरिक सम्बन्ध भी स्थापित किया। जिसके बाद से वह लगातार उसको ब्लैकमेल कर रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पटाखा व्यापारी से डेढ लाख की ठगी

देहरादून (सं)। गाजियाबाद के व्यापारी ने पटाखें भेजने के नाम पर पटाखा व्यापारी से डेढ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी मीनू बेदी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने इसरार नाम के व्यक्ति जो कि साहिबाबाद जिला गाजियाबाद है। जिसको उसने पटाखें (फुलझडी) खरीदने के लिये 1,25000 रुपये चैक के माध्यम से दिये अपनी फर्म अवनी फायर वर्क्स से दिये व 25000 रुपये नकद दिये थे किन्तु उपरोक्त व्यक्ति ने फरवरी 2022 से अब तक न तो माल दिया है और न ही उसके पैसे वापस कर रहा है। उसके द्वारा उपरोक्त व्यक्ति को फोन किया जाता है। तो वह उसको फोन पर जान से मारने की ध मकी देता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।